बिनायक को सजा मिलना 'न्याय की हार': अमर्त्य सेन
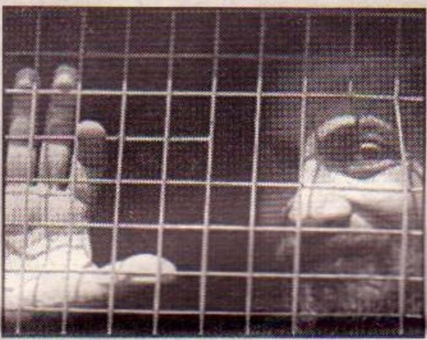
नई दिल्ली। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने मानवाधिकार कार्यकर्ता डॉ बिनायक सेन का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें दी गई उम्र कैद की सजा 'न्याय की विफलता' की तरह है। सेन ने आशा जताई कि छत्तीसगढ़ की एक अदालत से 'राजद्रोह' और माओवादियों से संपर्क रखने के अपराध में आजीवन कारावास की सजा पाए बिनायक सेन का मामला देश की उच्च अदालतों में चुनौती दिए जाने पर नहीं 'टिकेगा'। नोबेल पुरस्कार विजेता ने पत्रकार और वृत्तचित्र निर्माता मिन्नी वैद की पुस्तक 'ए डॉक्टर टू डिफेंड- द स्टोरी ऑफ बिनायक सेन' का विमोचन करते हुए यह बात कही। उन्होंने ध्यान दिलाया कि ग्रामीण छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं को पहुंचाने में बिनायक सेन ने एक 'उदाहरण' पेश किया है। सेन ने कहा कि यह फैसला भारतीय लोकतंत्र, कानूनी ढांचे और समानता के मुद्दे के साथ भारतीय जुड़ाव पर प्रश्न चिन्ह उठाता है। सेन के मुताबिक, यह फैसला दर्शाता है कि बिनायक को 'अन्यायपूर्ण तरीके से दोषी' ठहराया गया है। उन्होंने कहा कि हालांकि यह मामला अभी भी विचाराधीन है और हमे दूसरी अटकलें नहीं लगानी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय द्वारा यह फैसला बदल दिया जाएगा।■